उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता (पी0जी0टी0)

संगीत वादन (23)

तन्त्र

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्याः–
   स्वर, चिकारी, खरज, तोड़ा, तिहाई, जमजमा, घसीट, जवारी, तार परन, विन्यास स्वर, संकीर्ण राग, सारिका, बाज, जनक राग, अपकर्ष।
2. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
3. लय एवं लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़)।
4. रजाखानी गत, मसीतखानी गत, तोड़े, झाला को स्वरलिपिबद्ध करने की क्षमता।
5. दिए गए स्वरों के आधार पर रागों को पहचानने की क्षमता।
6. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
7. भारतीय संगीतज्ञों शारंगदेव, भातखण्डे, विष्णुदिगम्बर, पं0 रविशंकर, विलायत खां– का विस्तृत जीवन परिचय एवं संगीत में उनकी देन।
8. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
9. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
10. वाद्य को मिलाने का ज्ञान।
11. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनके विशिष्ट कलाकारों की वादन शैली का अध्ययन।
12. निम्नलिखित रागों का विस्तृत अध्ययनः–
    शुद्ध कल्याण, छायानट, जैजैवन्ती, पूरिया, मारवा, दरबारी कान्हड़ा, मियाँ मल्हार, तोड़ी, हिंडोल, बागेश्री, मधुवन्ती, जौनपुरी।
13. निम्नलिखित तालों का परिचय, ठेका तथा विभिन्न लयकारियों में लिखने का ज्ञानः–
    तीनताल, झपताल, एकताल, चारताल, धमारताल, गजझम्पा, आड़ाचारताल।
14. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
15. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी स्वरों की तुलना।

अवनद्ध

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्याः–
   पेशकारा, टुकड़ा, परन, तिहाई, तिपल्ली, उठान, चाला फरमाइशी, लग्गी, गत, बोल बाँट, झूलना, कमाली चक्करदार, नौहक्का, श्रुति, स्वर, सप्तक।
2. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
3. लय एवं लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, 3/2 आड़, 5/4 कुआड़, 7/4 बिआड़, 3/4 पौनगुन।
4. कठिन लयकारियों, कायदा, पेशकारा, टुकड़ा, परन, उठान, तिहाई, मुखड़ा आदि को तालिपिबद्ध करने की क्षमता।
5. दिए गए बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की क्षमता।
6. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
7. भारतीय संगीतज्ञों– शारंगदेव, भातखण्डे, विष्णुदिगम्बर, उ0 अहमद जान थिरकवा, पं0 किशन महाराज का विस्तृत जीवन परिचय एवं संगीत में उनकी देन।
8. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
9. वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
10. वाद्य को मिलाने का ज्ञान।
11. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनके विशिष्ट कलाकारों की वादनशैली का अध्ययन।
12. निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययनः–
    तीनताल, झपताल, एकताल, रूपक ताल, आड़ाचारताल, दीपचंदी ताल, पंचमसवारी ताल, शिखर, ब्रह्म, रूद्र, गजझम्पा, चारताल, धमार, लक्ष्मी, कहरवा, दादरा।
13. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर तालिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
14. ताल के दस प्राणों की विस्तृत व्याख्या।
15. कर्नाटक ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन।